

क्रमांक 724-ज(II)-76/13159.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती वन्शा देवी, विधवा श्री राम सरूप, गांव ताज नगर, तहसील बजिला गुड़गांव, को खरीफ, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 559-ज-II-76/13163.—श्री मित्तू सिंह, पुत्र श्री जैसबन्त सिंह, गांव घमरोज, तहसील बजिला गुड़गांव की दिनांक 19 फरवरी, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये सहर्ष आदेश देते हैं, कि श्री मित्तू सिंह की मल्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 8105-जे. एन.(II)-66/12222, दिनांक 16 जून, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती कलावति के नाम खरीफ, 1975 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

क्रमांक 763-ज-(II)-76/13167.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्री बाहराम, पुत्र श्री टोडर, गांव खानपुर कलां, तहसील मोहाना, जिला सोनीपत को रबी, 1967 से रबी, 1970 तक 100 रु० वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से 150 रु० वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 539-ज-I-76/13173.—श्री अवतार सिंह, पुत्र श्री गुलाब सिंह, गांव बबयाल, तहसील बजिला अम्बाला की दिनांक 16 अप्रैल, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहर्ष आदेश देते हैं, कि श्री अवतार सिंह की मुल्लिग 200 रु० वार्षिक की जागीर, जो उसे पंजाब सरकार की अधिसूचना क्रमांक 12373-जे. एन.(III)-65/11727, दिनांक 29 दिसम्बर, 1965 तथा हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5044-आर-I/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती वसंत कौर के नाम खरीफ, 1975 से 200 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

क्रमांक 716-ज(I)-76/13178.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती ठाकुर कौर, विधवा श्री शरम सिंह, गांव रायवाली, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रु० वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से 150 रु० वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 5 मई, 1976

क्रमांक 693-ज(I)-76/13301.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री रामजी लाल, पुत्र श्री सियालू सिंह, गांव लौहाना, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, को खरीफ 1974 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 492-ज-(I)-76/13306.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती धनकौर, विधवा श्री नानहड़ राम, गांव शोभू कलां, तहसील दादरी, जिला भिवानी को रबी 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार प्रदान करते हैं।